

प्रेषक,

अनूप वधावन,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,
हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 22 सितम्बर, 2009

विषय: आगामी कुम्भ मेला, 2010 के अन्तर्गत हरिद्वार में सोलानी नदी लक्सर पुरकाजी मार्ग पर स्टील गार्डर पाईल सेतु के निर्माण हेतु अवशेष धनराशि के व्यय की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 40/IV(1)/2009-14(कुम्भ)/2008 दिनांक 15.6.2009 का संदर्भ ग्रहण करें, जिसके द्वारा उप परियोजना प्रबन्धक, उ०प्र०राज्य सेतु निगम लिमि०, सेतु निर्माण इकाई सहारनपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा उक्त कार्य हेतु प्रस्तुत आगणन रु. 95.05लाख के तकनीकी परीक्षणोपरान्त संस्तुत रु. 89.98लाख की प्रशासकीय स्वीकृति देते हुए, वित्तीय वर्ष 2009-10 में रु. 50.00लाख (रु. पचास लाख) मात्र की धनराशि को व्यय किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। तत्क्रम में आपके पत्र संख्या-1381/कु.मे./सेतु निगम दिनांक 13.9.2009 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल, उक्त कार्य हेतु संस्तुत धनराशि के सापेक्ष अवशेष धनराशि रु. 39.98लाख (रु. उनतालिस लाख अठानवे हजार मात्र) को वित्तीय वर्ष 2009-10 में व्यय किए जाने की निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का पूर्व अवमुक्त धनराशि के पूर्ण उपयोग के बाद ही दो बराबर किश्तों में आहरण किया जाएगा और पूर्व आहरित धनराशि के पूर्ण उपयोग के बाद ही दूसरी किश्त का कोषागार से आहरण किया जाएगा।
2. उक्त धनराशि के विपरीत न्यूनतम निविदा (एल-1) के परिदृश्य में व्यय हेतु न्यूनतम आवश्यक धनराशि का ही कोषागार से आहरण किया जाएगा। साथ ही आहरित से धनराशि कोई बचत होती है तो उसे तत्काल राजकोष में जमा किया जाएगा।
3. उक्त कार्य इसी धनराशि से पूर्ण किया जाएगा और आगणन का पुनरीक्षण किसी भी दशा में अनुमन्य न होगा।
4. योजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्यों का निकटता से पर्यवेक्षण किया जाए। इसके लिए यथाआवश्यकता, निगरानी समिति का गठन कर लिया जाए।
5. निर्माण सामग्री क्रय करने से पूर्व मानकों एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं इस विषय में समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देशों के प्राविधानों का पालन कड़ाई से किया जाए।
6. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता से कार्यस्थल का भली भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए तथा निरीक्षण के पश्चात दिए गये निर्देशों के अनुसार कार्य कराया जाए।
7. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व शासनादेश संख्या 475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15दिसम्बर, 2008 की व्यवस्थानुसार निर्धारित प्रारूप पर अनुबन्ध निष्पादन की कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जाएगी।

8. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2010 तक उपयोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जाएगा।
9. कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता के लिए संबंधित अधिशासी अभियंता/मेलाधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
10. उक्त धनराशि का आहरण मेलाधिकारी, हरिद्वार के आहरण वितरण कोड से किया जाएगा।
11. यदि उक्त कार्य को पूर्ण करने में धनराशि वास्तव में कम व्यय होती है तो शेष राशि राजकोष में तत्काल जमा कर दी जाएगी।
12. आहरण करते समय इस आशय का प्रमाणपत्र लगाया जाएगा कि कुम्भ मेला, 2010 कार्य हेतु पी.एल.ए. में धनराशि शेष नहीं है।
13. शेष शर्तें एवं प्रतिबन्ध उक्त शासनादेश दिनांक 09.6.2009 के अनुसार लागू रहेंगे।

2— इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के 'अनुदान संख्या-13' के 'आयोजनागत' पक्ष के लेखाशीर्षक "2217-शहरी विकास-80-सामान्य-आयोजनागत-800-अन्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-07-हरिद्वार कुम्भ मेला, 2010 हेतु अवस्थापना सुविधा" के अन्तर्गत मानक मद "20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता" के नामे डाला जाएगा।

3— यह आदेश वित्त विभाग के अशा.सं. 527/XXVII(2)/2009 दिनांक 17 सितम्बर, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अनूप वधावन)
सचिव।

संख्या : 1216(1)/IV(1)/2009 तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मा. शहरी विकास मंत्री जी, उत्तराखण्ड।
3. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम), उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. महालेखाकार (ऑडिट), उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
7. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
8. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
9. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
10. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करें।
11. उप परियोजना प्रबन्धक, उ०प्र० राज्य सेतु निगम लिमि०, सेतु निर्माण इकाई सहारनपुर, उत्तर प्रदेश।
12. गार्ड बुक।

ओझा से,
(सुभाष चन्द्र)
अनुसचिव।